<u>राज्य सभा</u>

तारांकित प्रश्न संख्या *112

26 जुलाई, 2017 को उत्तर के लिए

आयातित इस्पात और भारतीय इस्पात की कीमत

***112. श्री पी. एल. पुनियाः**

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में इस्पात का कुल कितना उत्पादन हो रहा है, यह मांग के अनुपात में कितना कम या अधिक है, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि इस्पात उत्पादों का चीन से भारी मात्रा में आयात किया जा रहा है, यदि हां, तो यह देश के कुल आयात का कितना प्रतिशत है, विगत तीन वर्षों का तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) आयातित इस्पात और भारतीय इस्पात की कीमतों में कितना अंतर है; और

(घ) क्या 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम भारतीय इस्पात उत्पादकों को संरक्षण प्रदान करने में सफल रहा है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह)

(क) से (घ): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

******

"आयातित इस्पात और भारतीय इस्पात की कीमत'' के बारे में श्री पी. एल. पुनिया, संसद सदस्य द्वारा राज्य सभा में दिनांक 26 जुलाई, 2017 के लिए पूछे गए तांराकित प्रश्न संख्या *112 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): गत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के लिए कच्चे इस्पात के उत्पादन और पूर्ण फिनिश्ड इस्पात की खपत के आंकड़े नीचे दिए गए हैं, जिनसे यह इंगित होता है कि इन अवधियों में से प्रत्येक में बिक्री हेतु उत्पादन इसकी घरेलू खपत से अधिक हुआ है:

वर्ष	कच्चे इस्पात का उत्पादन (एमटी)	पूर्ण फिनिश्ड इस्पात की खपत (एमटी)
2014-15	88.98	76.99
2015-16	89.79	81.52
2016-17*	97.49	83.65
अप्रैल-जून 2017*	24.56	21.01
स्रोत: जेपीसी; *अनंतिम; एमटी=मिलियन टन		

(ख): विगत तीन वर्षों अर्थात् 2014-15, 2015-16, 2016-17 और अप्रैल-जून 2017 के लिए पूर्ण फिनिश्ड इस्पात का चीन से हुए आयात का ब्यौरा नीचे दिया गया हैं:

वर्ष	पूर्ण फिनिश्ड इस्पात का चीन से आयात (एमटी)	पूर्ण फिनिश्ड इस्पात का आयात	चीन की हिस्सेदारी का%
2014-15	3.60	9.32	39
2015-16	4.13	11.71	35
2016-17*	2.16	7.23	30
अप्रैल-जून 2017*	0.405	1.71	24
स्रोत: जेपीसी; *अनंतिम; एमटी=मिलियन टन			

(ग): वर्ष 2016-17 के लिए गैर-अलॉय फिनिश्ड इस्पात की मदों के संबंध में आयातित इस्पात (उतराई तक की लागत) की कीमतें और घरेलू बाजार में फुटकर कीमतें (दिल्ली बाजार में) उनके बीच अंतर के साथ नीचे दर्शायी गई है:

वर्ष: 2016-17	मदें (रुपया/टन)		
	(क) उतराई तक की लागत	(ख) बाजार में फुटकर कीमतें (दिल्ली बाजार में)	(क) और (ख) के बीच अंतर
टीएमटी 10 एमएम	35,830	35,237	593
एचआरसी 2.0 एमएम	39,577	38,825	752
वायर रॉड्स 6 एमएम	35,830	34,915	915
स्रोत: जेपीसी			

(घ): "मेक इन इंडिया" औद्योगिक अर्थव्यवस्था के एक बहुत वृहद क्षेत्र में नीतिगत पहल, कार्रवाइयों, निवेशों इत्यादि का व्यापक कार्यक्रम है। भारत सरकार इस कार्यक्रम को इस्पात क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए पूरी सक्रियता से सहयोग प्रदान करती रही है। इस्पात क्षेत्र के निरंतर विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए सरकार ने 'राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017' तथा घरेलू स्तर पर निर्मित लौह व इस्पात उत्पाद (डीएमआईएंडएसपी) 08.05.2017 को अधिसूचित किए हैं।

*****